मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2022

–::परीक्षा योजना::–

(अ) अंक–योजना :–

प्रश्न पत्र	परीक्षा	प्रश्नों की संख्या	पूर्णांक	अवधि
प्रथम प्रश्न पत्र	मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान	50	200	01 घंटा
द्वितीय प्रश्न पत्र	विषय– संबंधित विषय	150	600	03 घंटे
	योग	200	800	
	साक्षात्कार		100	
	कुल अंक		900	

(ब) प्रश्न पत्र योजना :–

1. परीक्षा का आयोजन दो सत्रों में होगा ।
2. प्रथम प्रश्न पत्र की विषयवस्तु – मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान से संबंधित 50 प्रश्न होंगे । द्वितीय प्रश्न पत्र में विषय से संबंधित प्रश्नपत्र में 150 प्रश्न होंगे। इस प्रकार दोनों प्रश्न पत्र में कुल–200 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा। इस प्रकार दोनों प्रश्न–पत्रों का पूर्णांक 800 अंकों का होगा।
3. दोनों प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ (बहुविकल्पीय) प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु चार विकल्प (A,B,C,D) होंगे। अभ्यर्थी को उक्त विकल्पों में से केवल एक सही विकल्प का ही चयन करना होगा। अभ्यर्थी द्वारा एक से अधिक विकल्पों का चयन करने पर उत्तर निरस्त कर दिया जाएगा।
4. प्रथम प्रश्न पत्र की अवधि 01 घंटे की होगी । इस प्रश्न पत्र में 50 प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा। द्वितीय प्रश्न पत्र की अवधि 03 घंटे की होगी । द्वितीय प्रश्न पत्र में संबंधित विषय के 150 प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे तथा प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा इस प्रकार लिखित परीक्षा की मेरिट दोनों प्रश्न पत्रों के प्राप्तांको को जोड़कर बनेगी।
5. दोनों ही प्रश्न पत्रों में पृथक–पृथक 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। मध्यप्रदेश के अधिसूचित अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC), आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) एवं दिव्यांगजन (PH) श्रेणी के आवेदकों को परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु 10–10 प्रतिशत अंकों की छूट दी जाएगी इस प्रकार उक्त श्रेणी के आवेदकों को परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु प्रत्येक प्रश्न–पत्र में पृथक–पृथक न्यूनतम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
6. भाषा संबंधी प्रश्न–पत्रों को छोड़कर समस्त प्रश्न–पत्र हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में होंगे।

7. परीक्षा परिणाम के साथ ही अभिलेख–प्रेषण हेतु अंतिम तिथि निर्धारित कर परीक्षा में प्रावधिक सफल अभ्यर्थियों से उनकी अर्हता से संबंधित सभी अभिलेख प्राप्त किए जाएँगे तथा केवल उन्हीं अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जाएगा जो अभिलेखों की सूक्ष्म जाँच उपरान्त अर्ह पाए जाएँगे। अंतिम निर्धारित तिथि पश्चात आयोग द्वारा अभिलेख स्वीकार्य नहीं किए जाएंगे।

8. साक्षात्कार :–

साक्षात्कार 100 अंकों का होगा। साक्षात्कार हेतु कोई न्यूनतम उत्तीर्णांक निर्धारित नहीं हैं।

(स) चयन–प्रक्रिया :–

1) चयन–प्रक्रिया के प्रथम चरण में संबंधित प्रश्न पत्र की ऑफलाइन पद्धति (OMR Sheet आधारित) परीक्षा/ऑफलाइन परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

2) परीक्षा उपरान्त परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों की प्रावधिक उत्तर कुंजी तैयार कर आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर प्रकाशित कर 07 दिवस की अवधि में आपत्तियाँ प्राप्त की जाएगी। इस अवधि के पश्चात् प्राप्त किसी भी अभ्यावेदन पर कोई विचार एवं पत्राचार नहीं किया जाएगा । आपत्ति हेतु दिया गया शुल्क किसी भी स्थिति में वापस नहीं किया जाएगा। प्राप्त आपत्तियों पर आयोग द्वारा गठित विषय–विशेषज्ञ समिति द्वारा आपत्तियों पर विचार कर निम्नांकित कार्यवाही की जाएगी :–

1. ऐसे प्रश्न जिनका प्रावधिक कुंजी में दिए गए विकल्पों में से गलत उत्तर दिया गया है और विकल्पों में अन्य विकल्प सही है, तब प्रावधिक उत्तर कुंजी को संशोधित किया जाएगा ।
2. प्रश्न पत्र में अनुवाद की भाषा में भिन्नता की स्थिति में केवल हिन्दी अनुवाद ही मान्य होगा। **(केवल द्वि–भाषी प्रश्न–पत्रों पर लागू)**
3. ऐसे प्रश्न जिसका दिए गए विकल्पों में एक से अधिक सही उत्तर है, सभी सही उत्तरों को मान्य किया जाएगा ।
4. ऐसे प्रश्न जिसका दिए गए विकल्पों में एक भी सही उत्तर न हो, प्रश्न को प्रश्न–पत्र से विलोपित किया जाएगा ।
5. विषय–विशेषज्ञ समिति द्वारा समस्त अभ्यावेदनों पर विचार करने के पश्चात् अंतिम उत्तर कुंजी बनाई जाएगी तथा आयोग द्वारा वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर प्रकाशित की जाएगी। अंतिम उत्तर कुंजी के प्रकाशन के पश्चात् अभ्यर्थियों के कोई भी आपत्ति/पत्र व्यवहार मान्य नहीं किया जाएगा । विषय–विशेषज्ञ समिति का निर्णय अंतिम होगा ।

6. उपरोक्तानुसार समिति द्वारा विलोपित किए गए प्रश्नों को छोड़कर शेष प्रश्नों के आधार पर अंतिम उत्तर कुंजी के अनुसार अभ्यर्थियों का मूल्यांकन कर परीक्षा–परिणाम घोषित किया जाएगा।

3) परीक्षा में प्राप्तांक के गुणानुक्रम के आधार पर विभिन्न प्रवर्गों हेतु विज्ञापित रिक्तियों के अधिकतम 3 गुना तथा समान अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में अभिलेख प्रस्तुत करने हेतु प्रावधिक सफल घोषित किया जाएगा।

4) साक्षात्कार में अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थियों को चयन के लिये अनर्ह माना जाएगा। साक्षात्कार के लिए आवेदकों को बुलाने के संबंध में आयोग का निर्णय अंतिम होगा। यह निर्णय आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर उपलब्ध रहेगा। अभ्यर्थी समय–समय पर आयोग की वेबसाइट का अवलोकन करते रहें।

5) विज्ञापन की कंडिका–सात–चयन प्रक्रिया (1) के अनुसार–यदि अभ्यर्थी मध्यप्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक का कार्य अतिथि विद्वान के रूप में किया है तो उनके द्वारा अतिथि विद्वान के रूप में किए गए कार्य के आधार पर विभाग द्वारा निर्धारित मापदण्ड अनुसार प्राप्त वरीयता अंक के योग के गुणानुक्रम के आधार पर होगा।

6) आयोग की परीक्षा प्रणाली में पुनर्मूल्यांकन/पुनर्गणना का कोई प्रावधान नहीं है। इस विषय में प्राप्त अभ्यावेदनों पर कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी।

परीक्षा नियंत्रक

सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2022

पाठ्यक्रम–प्रथम प्रश्न–पत्र

मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान

1. <u>मध्यप्रदेश का इतिहास, संस्कृति एवं साहित्य</u>

- मध्यप्रदेश के इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाएँ, प्रमुख राजवंश।
- स्वतंत्रता आन्दोलन में मध्यप्रदेश का योगदान।
- मध्यप्रदेश की कला एवं संस्कृति।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियाँ एवं बोलियाँ।
- प्रदेश के प्रमुख त्यौहार, लोक संगीत एवं लोक कलाएँ।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थल।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख व्यक्तित्व।

2. <u>मध्यप्रदेश का भूगोल</u>

- मध्यप्रदेश के वन, पर्वत तथा नदियाँ।
- मध्यप्रदेश की जलवायु।
- मध्यप्रदेश के प्राकृतिक एवं खनिज संसाधन।
- ऊर्जा संसाधन : परंपरागत एवं गैर पंरंपरागत।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख सिंचाई एवं विद्युत परियोजनाएँ।

3. <u>मध्यप्रदेश की राजनीति एवं अर्थशास्त्र</u>

- मध्यप्रदेश की राजनीतिक व्यवस्था (राज्यपाल, मंत्रिमंडल, विधानसभा)
- मध्यप्रदेश में पंचायतीराज व्यवस्था।
- मध्यप्रदेश की सामाजिक व्यवस्था।
- मध्यप्रदेश की जनांकिकी एवं जनगणना।
- मध्यप्रदेश का आर्थिक विकास।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख उद्योग।
- मध्यप्रदेश में कृषि एवं कृषि आधारित उद्योग।

4. <u>अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाएँ</u>

- महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाएँ।
- देश एवं प्रदेश की प्रमुख खेल प्रतियोगिताएँ एवं पुरस्कार तथा खेल संस्थाएँ।
- मध्यप्रदेश राज्य की प्रमुख जन कल्याणकारी योजनाएँ।
- मध्यप्रदेश के चर्चित व्यक्तित्व एवं स्थान।

5. <u>सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी।</u>

- इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर्स, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी।
- रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलीजेन्स एवं सायबर सिक्यूरिटी।
- ई–गवर्नेन्स ।
- इंटरनेट तथा सोशल नेटवर्किंग साईट्स।
- ई–कॉमर्स।

---xxx---

ASSISTANT PROFESSOR EXAM-2022

SYLLABUS- PAPER-I

General knowledge of Madhya Pradesh, National and International level and basic knowledge of computer

1. History culture and literature of M.P.

- Important Historical events and Major dynasties of M.P.
- Contribution of Madhya Pradesh in the Independence movements.
- Art, Architecture and culture of M.P.
- Main Tribes and Dialects of M.P.
- Main festivals, folk music and folk art of M.P.
- Important literary figures of M.P. and their literature.
- Main Tourist places of M.P.
- Important personalities of M.P.

2. Geography of the Madhya Pradesh

- Forest, Mountain and Rivers of M.P.
- Climate of M.P.
- Natural and mineral resources of M.P.
- Energy Resources: Conventional and Non- conventional.
- Main irrigation and Power projects of M.P.

3. Politics and Economy of M.P.

- Political system of M.P. (Governor, Cabinet, Legislative Assembly).
- Panchayati Raj in M.P.
- Social system of M.P.
- Demography and census of M.P.
- Economic development of M.P.
- Main industries of M.P.
- Agriculture and Agri based industries in M.P.

4. Current events of International, National and M.P.

- Important Contemporaneous events.
- Famous sports competitions; awards and sports institution of the State and country.
- Welfare schemes of M.P. state.
- Famous personalities and Places.

5. Information and Communication Technology

- Electronics, computers, information and communication technology.
- Robotics, artificial intelligence and cyber security.
- E- Governance.
- Internet and Social networking site.
- E- Commerce.

---xxx---

सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2022
पाठ्यक्रम
संगीत वाद्य

इकाई– 01 भारतीय संगीत का इतिहास

- संगीत की उत्पत्ति एवं विकास।
- वैदिक काल एवं रामायण, महाभारत, भरतकालीन तथा शिक्षा ग्रंथ का काल।
- पूर्व मध्यकाल– संगीत मकरन्द, बृहद्देशी संगीत रत्नाकर एवं गुप्त काल।
- उत्तर मध्यकाल– राग तंरगिणी, संगीत पारिजात, चतुर्दण्डी प्रकाशिका एवं मुगलकाल।
- आधुनिक काल– संगीत राग कल्पद्रुम, प्रणवभारती, पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर जी के ग्रन्थ एवं कार्य तथा पं. विष्णु नारायण भातखण्डे जी के ग्रन्थ एवं कार्य।

इकाई–02 हिन्दुस्तानी स्वरवाद्य संगीत के घराने

- घरानों का उद्गम एवं विकास।
- स्वर वाद्य संगीत के प्रमुख घराने– सेनिया, इमदादखानी, मैहर घराना, पूर्वी एवं पश्चिमी बाज का अध्ययन।
- तबले के विभिन्न घराने।
- वर्तमान समय एवं भविष्य में घरानों की प्रासंगिकता।
- घरानों की शिक्षण पद्धति एवं संस्थागत शिक्षण पद्धति में अंतर।

इकाई–03 हिन्दुस्तानी गायन एवं वादन की विभिन्न शैलियाँ तथा मेल एवं थाट रचना

- प्रबंध, ध्रुवपद, धमार, ख्याल, सरगम गीत, लक्षण गीत, तराना, चतुरंग, ठुमरी, टप्पा, त्रिवट, चैती, कजरी, होरी।
- अपने वाद्य से सम्बन्धित वादन पद्धतियों का अध्ययन।
- भरत की सारणा चतुष्टई।
- व्यंकटमखी के 72 मेल की रचना।
- पं. भातखण्डे के थाटों की रचना।

इकाई–04 कर्नाटक संगीत के गायन प्रकार एवं ताल पद्धति

- कर्नाटक संगीत के स्वर।
- कर्नाटक संगीत की ताल पद्धति।
- उत्तर भारतीय एवं कर्नाटक संगीत की स्वर एवं ताल पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन।
- गीतम, वर्णम, पदम, जावलि, प्रबंधन, तिल्लाना, रंगम, तानम्, पल्लवी, कृति, कीर्तनम् तथा यति।
- त्यागराज, मुथुस्वामी दीक्षितार एवं श्यामाशास्त्री का जीवन एवं योगदान।

इकाई–05 भारतीय संगीत के पारिभाषिक शब्द

- स्वर, श्रुति, नाद, थाट, ग्राम, मूर्च्छना, मार्ग–देशी, वर्ण, अलंकार, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, ग्रह, अंश न्यास, आविर्भाव–तिरोभाव, शुद्ध, छायालग, संकीर्ण, निबद्ध तथा अनिबद्ध गान, राग की जातियाँ।
- सूत, कण, घसीट, मींड (अनुलोम–विलोम), मुर्की, जमजमा, थाट (चल एवं अचल), कृन्तन, पुकार, झाला, गिटकिरी, तोडा, आकर्ष और अपकर्ष, लडी, लड गुथाव, तार–परन।
- सम, ताली, खाली, आवर्तन, आड़, कुआड़, बिआड़, परन, टुकड़ा, मुखड़ा।
- मसीत खानी एवं रजाखानी गतों को लिखने का अभ्यास।
- रागालाप, रूपकालाप, स्वस्थान, आक्षिप्तिका, मुख–चालन, स्थय, अल्पत्व–बहुत्व।

इकाई–06 ध्वनि शास्त्र

- ध्वनि की उत्पत्ति, आंदोलन, ध्वनि का वेग, अतिस्वर, डोल, ध्वनि का आवर्तन एवं परावर्तन अनुनाद, तारता, तीव्रता और ध्वनि की जाति, प्रतिध्वनि, इष्ट एवं अनिष्ट स्वर।
- स्वरवाद्यों की उत्पत्ति एवं विकास–वीणा सरोद, सितार, सुरबहार, वंशी, शहनाई, वायलिन, सारंगी, गिटार, संतूर।
- वाद्यों का वर्गीकरण।
- वीणा के शुद्ध स्वर।
- ताल वाद्यों की उत्पत्ति एवं विकास–तबला और पखावज।

इकाई–07 रागों का विस्तृत एवं तुलनात्मक अध्ययन तथा समय चक्र

- कल्याण, बिलावल, खमाज, दुर्गा, बिहाग, देस, तिलक कामोद, तिलंग, जैजैवन्ती, काफी, बागेश्री, भीमपलासी, पटदीप, बहार, वृन्दावनी सारंग, भैरव, रामकली, कलिंगड़ा विभास, भैरवी, विलासखानी तोड़ी, मालकौंस, चन्द्रारौंस, तोड़ी, मुल्तानी, पूर्वी, बसंत, पूरिया धनाश्री, मारवा, पूरिया, सोहनी, हमीर, केदार, कामोद, सुधा सारंग, श्यामकल्याण।
- रागों का समय चक्र– संधि प्रकाश राग, परमेल प्रवेशक राग, अध्वदर्शक स्वर, पूर्वांग–उतरांग, वादी, सम्वादी स्वर, रे–ध कोमल रे–ध शुद्ध एवं ग–नि कोमल वाले राग, आश्रय राग।
- ग्राम राग वर्गीकरण, मेलराग वर्गीकरण, राग–रागिनी वर्गीकरण, थाट राग वर्गीकरण, रागांग वर्गीकरण।
- षड्ज एवं मध्यम ग्राम की मूर्च्छनाओं का अध्ययन।
- प्रबंध की धातु एवं जाति का अभ्यास ।

इकाई–08 पाश्चात्य संगीत

- स्टाफ नोटेशन पद्धति की जानकारी, सोल्फा नोटेशन पद्धति, न्यूम्स नोटेशन पद्धति चीव्ह नोटेशन पद्धति।
- हारमनी, मेलाडी, मेजर स्केल, माइनर स्केल, क्रोमेटिक स्केल, डायटोमिक स्केल।
- पाश्चात्य वाद्य यंत्रों की जानकारी – वायलिन, गिटार, क्लेरोनेट, सेक्सोफोन, ऑर्गन, पियानो।
- पाश्यात्य ताल पद्धति की जानकारी
- पाइथागोरस स्केल का अध्ययन

इकाई–09 भारतीय संगीत के कलाकारों, शास्त्रकारों का परिचय एवं योगदान

- भरत, शारंग देव, अहोबल, लोचन, रामामात्य, श्रीनिवास, मतंग, दत्तिल, पं. वि.ना. भातखण्डे, पं. ओंकारनाथ ठाकुर, डॉ. प्रेमलता शर्मा, डॉ. लालमणि मिश्रा, पं. कुमार गंधर्व।
- पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर, पं. रविशंकर, उस्ताद अलाउद्दीन खाँ, उस्ताद विलायत खाँ, पं. निखिल बनर्जी, उस्ताद अली अकबर खाँ, पं. वी.जी. जोग, पं. शिव कुमार शर्मा, डॉ. राजभान सिंह, उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ।
- डॉ. एन. राजम, उस्ताद अब्दुल हलीम जाफर खाँ, पं. हरिप्रसाद चौरसिया, उस्ताद अब्दुल लतीफ खाँ, पं. सामता प्रसाद, पं. किशन महाराज, उस्ताद जहाँगीर खाँ, उस्ताद अल्लारखा।
- स्वामी हरिदास का सांगीतिक योगदान।
- तनसेन, बैजू बावरा एवं राजा मानसिंह तोमर का सांगीतिक योगदान।

इकाई–10 मध्यप्रदेश की संगीत परंपरा

- मध्यप्रदेश के प्रमुख संगीत घराने।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख संगीतकार।
- मध्यप्रदेश लोक गीतों एवं लोक वाद्यों की जानकारी।
- मध्यप्रदेश के लोक नृत्यों की सामान्य जानकारी।
- मध्यप्रदेश में संगीत से जुड़ी प्रमुख संस्थाएँ एवं पुरस्कार ।

****

ASSISTANT PROFESSOER EXAM-2022
SYLLABUS
INSTRUMENTAL MUSIC

(01) History of Indian music

- Origin and development of Indian music
- Vaidik period and Ramayana, Mahabharat, Bharat kal and shiksha Granth kal
- Early Medieval Period- sangit makarand, Brihadeshi, sangit Ratnakar Gupta Era
- Later Medirval Peoiad- Rag Tarangini, sangit Parijat, Chaturdandi Prakashika and Mugal Period.
- Present Period-sangit Rag kalpdrum, PranavBharati, Granth and work of Pt. V.N. bhatkhande and Pt. V.D. Paluskar.

(02) Gharanas of Hindustani Swar Vadya

- Origin and development of Gharans.
- Important Gharans of Instrumental music-Senia, Imadadkhnai, Maihar, Poorvi and Pashchimi Baj.
- Different Gharaanas of Tabla.
- Relevance of Gharaana in Present and Future.
- Difference between the Education of Gharaana system and Institutional system.

(03) Different Styles of Hindustani Gayan and Vadan

- Prabandh, Dhruvpad, Dhamar, Khayal, Saragam Geet, Lakshan geet, Tarana, Chaturang, Thumari, Tappa, Trivat, Chaiti, Kajari, Hori.
- Study of different styles of own instruments.
- Sarana Chatushtai of Bharat.
- 72 Mel of Vyankat Makhi.
- Thats of Pt. V.N. Bhatkhande.

(04) Karnatak Music (Style of Vocal and Tal Paddhati)

- Swar of Karnatak Music.
- Tal Padhati of Karnatak Music.
- Comparative study of Swar and Tal Padhati of Karnatak and Hindustani Music.
- Geetam, Varnam, Padam, Javali, Prabandhan, Tillana, Ragam, Tanam, Pallavi, Kriti, Kirtanam and Yati.
- Life Sketches and contribution of Tyagraj, Muthuswamy Dikshitar and Shyama Shastri.

(05) Definitions of Indian Music

- Swar, Shruti, Nad, Thaat, Gram, Murchana, Marg-Deshi, Varna, Alankar, Vadi-Samvdi, Anuvadi, Vivadi, Grah, Ansh, Nyas, Avirbhav- Tirobhav, Shudha-Chayalag, Sankirana, Nibadha, Anibadh, Gan, Jati of Rag.
- Sut, Kan, Ghasit, Meend (Anulom- Vilom) Murki Jamjama, Thaat (Chal and Achal) Krintan, Pukar, Jhala, Gitkiri, Toda, Akarsh and Apkarsh, Ladi, Lad Guthav, Tar-Paran.
- Sam, Tali khali, Avartan, Aad, Kuad, Biad, Paran, Tukada, mukhada.
- Knowledge of writing Masitkhani and Raza Khani Gat.
- Ragalap, Rupakalap, Swasthan, Akshiptika Mukh Chalan, Sthay, Alpatva-Bahutva.

(06) Dhwani Shastra

- Origin of Sound, Andolan, Velocily of sound, Over Tone, Beats, Reflection of sound, Resonace, Pitch, Intensity, Quality of sound, Echo, Cononances and Dissonance.
- Origin and development of Swar Vadya - Veena, Sarod, Sitar, Surbahar, Vanshi, Shehanai Violin, Sarangi, Guitar and Santoor.
- Classification of Immurements.
- Shudha Swar of Veena.
- Origin and development of Talvadya- Tabla and Pakhavaj.

(07) Detailed and comparative study of Ragas and time Theory

- Kalyan, Bilawal, Khamaj, Durga, Bihag, Des, Tilak Kamod, Tilang, Jaijaivanti, Kafi, Bageshri, Bhimpalasi, Patdeep, Bahar, Vrindavani Sarang, Bhairav, Ramkali, Kalingada, Vibhas, Bhairavi, Bilaskhani Todi, Malkauns, Chandrarauns, Todi, Multani, Poorvi, Basant, Puriya Dhanahri, Marva, Puriya, Sohani, Hamir, Kedar, Kamod, Sudha Sarang, Shyamkalyan,
- Time Theroy of Ragas- Sandhi Prakash Rag, Parmel Praveshak Rag, Adhvadarshak, Poorvang-Uttarang, Vadi-Samvadi Swar, Ragas of Re-dha Komal, Re-Dha Shudha and Ga-ni Komal, Ashraya Rag.
- Gram Rag Classification, Mail Rag Classification, Rag-Ragini Classification, Thaat Rag Classification, Ragaang Classification.
- Study of Shadaj and Madhyam Gram Moorchana.
- Study of Dhatu and Jati of Prabandh.

(08) Western Music

- Study of Staff- Notation system, Solfanotation, Neumes Notation system, Chervl Notation system.
- Harmony, Melody, Major scale, Minor Scale, Cromatic Scale, Diatomic Scale.
- Knowledge of western Instruments violin, Guitar, Clarinet, Saxophone, organ, Piano.
- Knowledge of Western Rhythm.
- Study of Pythagoras Scale.

(09) Life sketches and contribution of Musicologist and Artiste

- Bharat, Sharang Dev, Ahobal, Lochan, Ramamatya, Shriniwas, Matang, Dattil, Pt. V.N Bhatkhande, Pt. Omkar Nath Thakur, Dr. Premlata Sharma, Dr. Lalmani Mishra, Pt. Kumar Gandharva.
- Pt. V.D. Paluskar Pt. Ravishankar, Ustad Allauddin Khan, Ustad Vilayat Khan, Pt. Nikhil Benarji, Ustad Ali Akbar Khan, Pt. V.G. Jog, Pt. Shiv Kumar Sharma, Dr. Rajbhan Singh, Ustad Bismillah Khan.
- Dr. N. Rajam, Ustad Abdul Halim Jafar Khan, Pt. Hariprasad Chaurasiya, Ustad Latif Khan, Pt. Samata Prasad, Pt. Kishan Maharaj, Ustad Jahagir Khan, Ustad Allarkha
- Musical contribution of Swami Haridas.
- Musical contribution of Tansen, Baiju Bawara and Raja Mansingh Tomar.

(10) Music Tradition of Madhya Pradesh

- Major Music Gharaanas of Madhya Pradesh.
- Prominent Musicians of Madhya Pradesh.
- Knowledge of Folk Music and Folk Instruments related to Madhya Pradesh.
- Knowledge of Folk Dances related to Madhya Pradesh.
- Major Institutions and Awards related to Music in Madhya Pradesh.

****